<u>न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश भ्र०नि०अधि० (यू०पी०एस०ई०बी०) गोरखपुर।</u>

सत्रवाद संख्या-2934/2023,
मु०अ०सं०- 914/2022,
स्टेट.....बनाम.....भास्कर दूबे वगै०,
धारा-3(1) उ०प्र० गिरोह बन्द एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधि०,
थाना- कैण्ट, जनपद गोरखपुर।

<u>दिनाँक- 13.10.2025</u>

प्रार्थी/ अभियुक्त सूरज शुक्ला उर्फ सौरभ शुक्ला ओर से प्रार्थना-पत्र का०सं० 13 ख दिनांकित 13.10.2025 प्रस्तुत कर कथन किया गया है कि प्रार्थी द्वारा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उच्च न्यायालय इलाहाबाद में एक रिट दाखिल किया गया था, जिसका रिट संख्या-38129/2025 है। उक्त वाद में माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद द्वारा दिनाँक 06.10.2025 को एक आदेश पारित किया गया कि उक्त मुकदमे को समाप्त/ क्योश कर दिया गया है। ऐसी स्थिति में उक्त आदेश का कम्प्यूटर सत्यापन एवं माननीय उच्च न्यायालय द्वारा दिये गये दिशा- निर्देशों का उक्त पत्रावली में अनुपालन कराया जाना न्यायहित में आवश्यक है। अतः उक्त आदेश का कम्प्यूटर सत्यापन एवं माननीय न्यायालय द्वारा दिये गये दिशा- निर्देशों का उक्त पत्रावली में अनुपालन कराये जाने की याचना की गयी है। उक्त आदेश की कम्प्यूटर अनुभाग द्वारा सत्यापित प्रति प्रार्थना-पत्र के साथ दाखिल किया गया है।

माननीय उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश का ससम्मान पूर्वक अवलोकन किया।

पत्रावली के अवलोकन से विदित है कि सत्रवाद संख्या-2934/2023, (स्टेट बनाम भास्कर दूबे व अन्य) मु०अ०सं०- 914/2022, अन्तर्गत धारा-3(1) उ०प्र० गिरोह बन्द एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधि०, थाना- कैण्ट, जनपद गोरखपुर के मामले में माननीय उच्च न्यायालय द्वारा *"6. After hearing rival submissions extended by learned counsel for the parties, this Court finds that the rules are crystal clear at the initial stage which is mentioned under Rule 5(3)(a) of the Rules of 2021 for holding joint meeting of the authorities concerned which includes the presenting officer, forwarding officer and thereafter the discussion shall be made with the approving authority. The rules mentioned below to Rule 5 of the Rules of 2021 although clarified the wording and the orders which ought to be passed by the approving authority but the missing of joint meeting/discussion is not necessarily to be reproduced time and again since the legislature and law makers are conscious not to repeat the procedure in each and every rules/sections in the concerned Act/Rules since the study of the sections available in the rules framed under the Act has to be read in a procedural manner where it is written in sub-sequential order and as such the provision contained under the Rule 5(3)(a) of Rules of 2021 has to be given preference while reading other rules which are mentioned below to Rule 5 of the Rules of 2021 and as such the specific provision for holding joint meeting is mandatory on the part of all the officers who are involved in forwarding the gang chart and finally it is incumbent upon the approving authority to hold meeting under Section 5(3)(a) of the Rules of 2021. The said procedure which is mandated on the part of the approving authority is missing in the instant matter and as such entire proceedings arising out of approval of the gang chart which culminated into preferring the charge sheet dated 06.10.2023 thereafter the order passed by learned concerned court by way of passing cognizance order dated 13.12.2023 is hereby quashed and set aside.*

7. However, the above mentioned order will not preclude the concerned authorities for re-initiation of the proceedings against applicant, if required in future, in accordance with law.

8. The application stands allowed accordingly." का आदेश दिनाँक 06.10.2025 को पारित किया गया है।

अतः माननीय उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश दिनांकित 06.10.2025 के ससम्मान अनुपालन में अभियुक्त सूरज शुक्ला उर्फ सौरभ शुक्ला के सन्दर्भ में *The said procedure which is mandated on the part of the approving authority is missing in the instant matter and as such entire proceedings arising out of approval of the gang chart which culminated into preferring the*

charge sheet dated 06.10.2023 thereafter the order passed by learned concerned court by way of passing cognizance order dated 13.12.2023 is hereby quashed and set aside. किया गया है। अतएवं माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के ससम्मान अनुक्रम में अभियुक्त सूरज शुक्ला उर्फ सौरभ शुक्ला के विरूद्ध *charge sheet dated 06.10.2023 thereafter the order passed by learned concerned court by way of passing cognizance order dated 13.12.2023 is hereby quashed and set aside.* की जाती है। पत्रावली शेष अभियुक्तगण 1. भास्कर दूबे 2. विष्णुधर दूबे उर्फ बबलू 3. राजन यादव 4. आशुतोष मल्ल 5. सन्नी मिश्रा अग्रिम कार्यवाही हेतु नियत तिथि को पेश हो।

दिनाँक–13.10.2025

(गोविन्द मोहन)
अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/ विशेष न्यायाधीश,
भ्र०नि०अधि० (यू०पी०एस०ई०बी०)/ गैंगेस्टर एक्ट, गोरखपुर।
J O No. UP2687

Digitally signed by GOVIND MOHAN
Date: 2025.10.13 16:28:11 IST
Reason: Document Owner
Location: District and Sessions Court